पाठ: 3 मैं क्यों लिखता हूँ

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों?

उत्तर 1 - लेखक का कहना है कि प्रत्यक्ष अनुभव के मुकाबले भावनाओं और अंदरूनी संवेदनाओं का उनके लेखन में ज्यादा प्रभाव होता है, क्योंकि-

1. लेखन एक अंतरात्मिक प्रक्रिया है, इसे केवल बाहरी दुनिया का अनुवाद नहीं कहा जा सकता।
2. लेखन के लिए आंतरिक अनुभव, संवेदनाएँ और कल्पना का होना जरूरी है, केवल बाहरी अनुभव पर्याप्त नहीं है।
3. जो कुछ सामने देखकर लिखा जाता है, वह लेखक अपनी सच्ची रचना नहीं मानता।
4. सच में ईमानदारी से लिखा गया लेख वही है जो अंदरूनी भावनाओं और अनुभवों से उत्पन्न होता है।

प्रश्न 2. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

उत्तर 2 -

1. लेखक ने जब जापान में हिरोशिमा का दौरा किया, तो उसे वहां के विस्फोट का वास्तविक अनुभव हुआ। वह अस्पताल में अणु बम के शिकार मरीजों को देखकर, और सड़क पर एक जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया देखकर, विस्फोट के दर्द और प्रभाव को महसूस करने लगा।
2. लेखक ने सोचा कि जब विस्फोट हुआ होगा, तो कोई व्यक्ति इस पत्थर के पास खड़ा रहा होगा। उस समय रेडियोधर्मी किरणों ने उसे पूरी तरह से झुलसा दिया होगा, और शायद उस व्यक्ति को भाप में बदलकर उड़ा दिया होगा।

प्रश्न 3. मैं क्यों लिखता हूँ? के आधार पर बताइए कि -

(क) लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?

(ख) किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए किस तरह उत्साहित कर सकते हैं?

उत्तर- (क) लेखक को यह लिखने के लिए विभिन्न कारण प्रेरित करते हैं:

1. आंतरिक दबाव, जो लेखक के अंदर की मजबूरी को दर्शाता है।
2. संपादकों की ओर से आने वाला अनुरोध।
3. प्रकाशक की ओर से किए गए दबाव।
4. आर्थिक कारणों की मजबूरी, जो लेखन की ओर आकर्षित करती है।

(ख) किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए इस प्रकार उत्साहित करते हैं-

उत्तर (ख)

1. जब कोई व्यक्ति किसी रचनाकार की कृति को पढ़ता है, तो उसे ऐसा लगता है कि उसमें वही विचार और भावनाएँ व्यक्त की गई हैं, जो उसके अपने दिल में हैं, जैसे वह रचना सिर्फ उसके लिए ही लिखी गई हो।

2. इस अनुभव से प्रभावित होकर वह व्यक्ति यह सोचता है कि वह भी ऐसी ही रचना लिख सकता है। इस तरह एक रचनाकार की रचनाएँ दूसरों को भी नए विचारों और रचनात्मकता की दिशा में प्रेरित करती हैं।

प्रश्न 4. कुछ रचनाकारों के लिए आत्मानुभूति / स्वयं के अनुभव के साथ-साथ बाह्य दबाव भी महत्त्वपूर्ण होता है। ये बाह्य दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?

उत्तर 4 - कई रचनाकारों के लिए अपनी आत्मानुभूति या व्यक्तिगत अनुभवों के साथ-साथ बाहरी दबाव भी महत्वपूर्ण होते हैं। ये बाहरी दबाव निम्नलिखित हो सकते हैं:

(i) कभी-कभी रचनाकार बाहरी दबाव के कारण लिखता है, जैसे यदि कोई संपादक उसे कुछ लिखने का अनुरोध करें।

(ii) अगर कोई प्रकाशक उसे किसी विशेष सामग्री पर लिखने के लिए कहे।

(iii) कभी-कभी आर्थिक कारणों से भी रचनाकार को लिखना पड़ता है।

प्रश्न 5. क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं कैसे? ।

उत्तर 5 - बाहरी दबाव सिर्फ लेखकों को ही नहीं, बल्कि विभिन्न कला और विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों और पेशेवरों को भी प्रभावित करता है।

1. एक चित्रकार या मूर्तिकार, जब वह किसी अन्य कलाकार के काम को देखता है और महसूस करता है कि उसे सम्मान और आर्थिक लाभ मिल रहा है, तो वह भी प्रेरित होकर अपनी कला में निपुणता और नई दिशा देने का प्रयास करता है।

2. समाज सुधारक भी एक दूसरे से प्रेरित होते हैं और दूसरों के कार्यों को देखकर अपने उद्देश्य को और बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करते हैं।

3. यही स्थिति इंजीनियरों और डॉक्टरों के लिए भी होती है, जब वे एक दूसरे के काम से प्रभावित होकर अपनी दक्षता को बढ़ाने की दिशा में काम करते हैं।

प्रश्न 6. हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है यह आप कैसे कह सकते हैं?

उत्तर 6 –

1. लेखक एक विज्ञान के छात्र थे और उन्हें अणु बमों के सिद्धांतिक पहलू का ज्ञान था, लेकिन उन्होंने हिरोशिमा में हुए विस्फोट के बारे में कविता तब तक नहीं लिखी, जब तक कि उन्होंने खुद वहां जाकर उस भयानक अनुभव को महसूस नहीं किया।

2. उन्होंने न केवल वहां के पीड़ितों के दुखों को समझा, बल्कि जलते हुए पत्थरों पर पड़ती छाया को देखकर यह अनुभव भी किया कि किस प्रकार रेडियम-धर्मी किरणों ने हिरोशिमा के लोगों की जिंदगी को तबाह कर दिया। इन्हीं व्यक्तिगत अनुभवों और सैद्धांतिक ज्ञान के आधार पर ही लेखक ने भारत लौटते समय रेलगाड़ी में हिरोशिमा पर कविता लिखी।

प्रश्न 7. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है?

उत्तर 7 - विज्ञान का दुरुपयोग विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार हो रहा है:

1. विज्ञान द्वारा उपलब्ध कराए गए सुख-साधनों के कारण लोग भोगवादी और आलसी होते जा रहे हैं। इस कारण वर्तमान मनुष्य असंतुष्ट और निरंतर असंतुष्ट महसूस करता है।

2. मशीनों के आगमन ने पारंपरिक घरेलू उद्योगों और व्यवसायों को समाप्त कर दिया है।

3. देश में बेरोज़गारी और नौकरी की कमी बढ़ती जा रही है।

4. एक देश दूसरे देश को डराने और आतंकित करने के लिए आंतरिक रूप से तैयारियां कर रहा है, और यही विज्ञान के कारण बढ़ते प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है।

प्रश्न 8. एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है?

उत्तर 8 - एक जागरूक युवा नागरिक के रूप में हम विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने में निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं:

1. हम विज्ञान द्वारा विकसित हथियारों और उपकरणों का उपयोग मानवता की भलाई के लिए करेंगे।
2. हम बिजली का उपयोग सही और सुरक्षित तरीके से करने की दिशा में काम करेंगे।
3. मुद्रण यंत्रों का उपयोग केवल समाचार पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए किया जाएगा, और इसके गलत इस्तेमाल को रोकेंगे।
4. चिकित्सा क्षेत्र में विज्ञान की नई खोजों का लाभ संतानहीन व्यक्तियों की समस्या को हल करने के लिए उठाएंगे।
5. हम छोटे-छोटे भार मापने वाली मशीनों के उपयोग से नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करेंगे।
6. हम कृषि सुधार और उद्योग के विकास में विज्ञान से मिलने वाले लाभ के बारे में नागरिकों को जानकारी देंगे।